## विचार बिन्दु

**शासन के समर्थक को जनता पसंद नहीं करती और जनता के पक्षपाती को शासन। इन दोनो का प्रिय कार्यकर्ता दुर्लभ है।**

**–पंचतंत्र**

# कॉप 27 की समाप्ति पर जो निर्णय दिनांक 20.11.2022 को लिये क्या उन्हें लागू किया जा सकेगा ?

दिनांक 20 नवम्बर 2022 को यूनाईटेड नेशन्स क्लाईमेट चेन्ज कॉनफरेन्स कॉप 27 की समाप्ति के अन्तिम क्षणों में मेम्बर सदस्यों के मध्य बड़े उतार-चढ़ाव के बाद एक समझौता हुआ। इसका उद्देश्य था कि उन देशों को जिन्हें जलवायु परिवर्तन के कारण जो क्षति हुई उसके नुकसान की पूर्ति के हेतु Loss and Damage नाम से फण्ड बनाया गया।

इस समझौते पर यूएन क्लाईमेट चेन्ज के एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुआ कहा कि "हम जिस समस्या पर कई दशकों से असफल वार्ता करते आ रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण गरीब देशों को नुकसान हुआ है, उनका जीवन जीविका को अपरिमित हानि हुई है, उसकी क्षतिपूर्ति की जावे"। उन्नत देशों प्रयत्न करें कि उक्त फण्ड में वे राशि जमा करायें। वे उन घोषणा पर अमल करें कि वे धरती का तापमान 1.5 डिग्री से. से ऊँचा नहीं बढ़े। उन अविकसित देशों के नुकसान की पूर्ति के हेतु उचित कदम उठायें और उनकी आर्थिक सहायता करें, उन्हें टेक्नोलोजी देवें तथा यह भी तय किया कि एक Transitional Committee बनायें यह कमेटी सिफारिश करेगी कि कॉप 27 का फण्ड और कॉप 28 जो आगे होगी उन्हें Operational बनाया जावे। यह कमेटी अपनी मीटिंग मार्च 2023 से पहले की जावेगी। यह भी तय हुआ कि Global Goal on Adaptation को आगे बढ़ाया जावे जो कॉप 28 की कॉनफरेन्स में पूरा होगा। नई घोषणाओं के अनुसार USD 230 मिलियन से अधिक का फण्ड है।

जलवायु परिवर्तन से सारा विश्व पीडित है। यह सही है प्रलय हमने नहीं देखा है, किन्तु गत वर्ष बादल फटने व प्रलय जैसी बाढ़ तो हमने देखी है। आज संसार की स्थिति बिगड़ रही है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, नदियाँ सिकुड रहीं हैं, समुद्र अपनी सीमा का उल्लंघन कर रहा है। तूफान आ रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है, इस सदी के अंत तक समुद्र एक तिहाई धरती को निगल जायेगा। जंगल जल रहे हैं। बीमारियां नये-नये रूपों में जन्म ले रही हैं। धरती की ऊर्जा कम हो रही है। अत: 1.5 डिग्री से अधिक तापमान बढ़ने के भय से सभी देश विचलित हैं। अत: Loss and Damage की पूर्ति के लिये फण्ड होना जरूरी नहीं है। हमारा देश उन 60 देशों में है जिसने वायदे निभाने का पूरा प्रयास किया है यों विकासशील देशों की जिनमें भारत भी है इस बाबत भूमिका फिर भी सराहनीय है।

कॉप 27 में जो निर्णय कुछ महत्वपूर्ण वायदे हो पायें हैं वे संक्षेप में निम्न प्रकार हैं:-

1) Technology: कॉप 27 में 5 वर्षीय प्रोग्राम बनाया गया है जिससे तकनीकी ज्ञान का लाभ गरीब देशों तक पहुँच सके।

2) Mitigation: कॉप 27 ने Mitigation को बढ़ाया है। बिजली की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इसके लिये प्रोग्राम, कॉप से प्रारम्भ हो गया है, यह कार्य 2030 तक पूरा होगा। सभी देशों की सरकारों को इस हेतु नेशनल क्लाईमेट प्लान बनाना होगा। कोयले से बिजली की निर्भरता समाप्त होगी।

**इन परिस्थितियों में आपसी सद्भाव से सभी सदस्य देश अपने अपने वायदों को पूरा करें और प्रयत्न करें कि धरती का तापमान 1.5 डिग्री से. की सीमा को पार न कर पाये। धरती को बचाना है तो दिनांक 20.11.2022 को कॉप 27 में जो घोषणायें की हैं उन्हें सभी सदस्य देश कर्त्तव्य निष्ठा के साथ निभायें।**

कॉप 27 में 45000 डेलीगेट्स ने भाग लिया था तथा मूल निवासियों को सुना। पेरिस एग्रीमेण्ट की महत्वाकांक्षा पर विचार किया। यूएन के सेक्रेटरी जनरल, 2023 में Climate Ambition Submit 2023 आहूत करेंगे ताकि कॉप 28 की मीटिंग में चर्चा हो और कोई सहज मार्ग अपनाया जावे।

उपरोक्त निर्णयों के बाद जो अन्य विषयों पर चर्चा हुई उसके निर्णय के अन्य विषय निम्नलिखित हैं:-

अ) मेम्बर सदस्य देश 25 New Collaborative Action का पेकेज लान्च करेंगे। पांच मुख्य स्थानों पर चर्चा करेंगे, उसमें 5 विषयों पर वार्ता होगी, वे हैं, ऊर्जा, सड़क, ट्रान्सपोर्ट, स्टील, हाइड्रोजन व कृषि।

ब) यूएन सेक्रेटरी जनरल एनटोनियो गुटेरेज ने घोषणा की कि USD 3.1 मिलियन का एक फण्ड देंगे ताकि धरती पर रहने वाले लोगों की सुरक्षा के हेतु पूर्व चेतावनी का एक सिस्टम 5 वर्ष में तैयार करेंगे।

स) यूएन सेक्रेटरी जनरल ने जो उच्च स्तर के विशेषज्ञों का ग्रुप Net-Zero Commitment की जो रिपोर्ट कॉप 27 में तैयार की है उसे प्रकाशित करेंगे ताकि सभी देशों को सलाह दी जा सके कि Net-Zero Pledges को मूर्त रूप दिया जा सके।

द) एक G7 प्लान जिसे Global Shield Financing Facility कॉप 27 में तैयार हुआ उसके अनुसार फण्ड की राशि से क्षतिपूर्ति की जावे जिन्होंने क्लाईमेट चेन्ज से अपरिमित हानि वहन की है ताकि उनकी सुरक्षा और सहायता हो सके।

य) जो USD 105.6 Million का फण्ड डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, आयरलैंड, स्लोवेनिया, स्वेडन, स्वीटजरलैंड व बेल्जियम आदि ने बनाया है उसकी बढ़ोत्तरी की अपील की है ताकि Global Environment Facility Funds से तत्काल आवश्यकता के लिये, गरीब देशों की सहायता की जावे।

र) नये इण्डोनेशिया ने ßevespe Just Energy Transition Partnership की घोषणा की है, जिसे जी-20 सबमिट में जो कॉप 27 की समान्तर मीटिंग में की गई है, उस देश ने यूएसडी 20 मिलियन देने का वचन दिया है जिसे इण्डोनेशिया ने 3 से 5 वर्ष की अवधि में देगा यह राशि Just Energy Transition को गति देगा।

ल) Forest and Climate Leaders' Partnership के गठन की घोषणा की गई इसका उद्देश्य जंगलों को बचाना तथा लैण्ड Degradation को 2030 तक समाप्त करना है।

अभी तक जो सदस्य देश हैं, उन्होंने अपने अपने स्तर में घोषणा की है, किन्तु किसी भी प्रोटोकाल/एग्रीमेंट अथवा घोषणा को कार्यशील बनाने का कोई तरीका नहीं है। अन्तर्राष्ट्रीय ट्रिव्यूनल अथवा Domestic Court में वे Enforce नहीं किये जा सकते हैं। अत: उपरोक्त घोषणाओं में अथवा एग्रीमेण्ट को बाध्यकारी नहीं माना जा सकता। क्वोटो प्रोटोकॉल में आर्बीट्रेशन का प्रावधान है, किनतु उसका भी कोई लाभ नहीं है, क्योंकि आर्बीट्रेशन के लिये उस पक्षकार की स्वीकृति होना आवश्यक है जिसके विरूद्ध कार्यवाही अपेक्षित है परन्तु वह व्यक्ति अपनी गलती को क्यों कर स्वीकार करेगा अर्थात आर्बीट्रेशन अर्थहीन हो जावेगी। हाँ एक उपाय है, जलवायु परिवर्तन का विवाद मानव अधिकार है और मानव अधिकार डोमेस्टिक अदालत में Enforceable है अथवा इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में जाया जा सकता है।

भारतीय एनजीओ मौसम के प्रतिनिधि सौम्या दत्ता व पैरवी-सिकोय के प्रतिनिधि अजय झा ने कॉप 27 में पुरजोर भागीदारी निभाई। सौम्या दत्ता ने दो विषयों पर प्रेस को सम्बोधित किया। विषय थे, "False Solutions and Global Carbon Bombs"

इन परिस्थितियों में आपसी सद्भाव से सभी सदस्य देश अपने अपने वायदों को पूरा करें और प्रयत्न करें कि धरती का तापमान 1.5 डिग्री से. की सीमा को पार न कर पाये। धरती को बचाना है तो दिनांक 20.11.2022 को कॉप 27 में जो घोषणायें की हैं उन्हें सभी सदस्य देश कर्त्तव्य निष्ठा के साथ निभायें।

सबको सन्मति दे भगवान!

**–अतिथि सम्पादक,**
**पानाचन्द जैन**
**पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट**

# पिछवाई कला को विकसित करने में मंगलम आर्ट्स का अद्वितीय योगदान

शब्द का अर्थ है पीछेवाली। पिछवाई चित्र आकार में बडे होते हैं। इन्हें कपडे पर बनाया जाता है। नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर तथा अन्य मंदिरों में मुख्य मूर्ति के पीछे दीवार पर धराने के लिये इन वृहद आकार के चित्रों को काम में लिया जाता है। ये चित्र मंदिर की भव्यता बढ़ाने के साथ-साथ भक्तों को श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र की जानकारी देते हैं।

श्रीनाथजी के तीज-त्यौहारों, बारह महीनों एवं प्रतिदिन दर्शन महत्व के अनुसार अलग-अलग पिछवाई धराई जाती हैं। पिछवाइयाँ पूर्ण रूप से श्रीनाथजी को समर्पित होती हैं। ये भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला, दानलीला, माखनचोरी, चीरलीला, गोवर्धन लीला, होली आदि से संबंधित होती हैं। पिछवाई नाथद्वारा श्रीनाथजी मंदिर से प्रारंभ हुई जानी- मानी चित्रकला परंपरा है।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त श्री द्वारका लाल जांगिड पिछवाई चित्रकारी के सिद्धहस्त चित्रकार हैं। उनका जन्म नाथद्वारा के परंपरागत चित्रकारों के परिवार में हुआ। अपनी बाल्यावस्था के आरंभिक दिनों में ही इन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता इनके पिताजी रामलाल जी और चाचाजी नरोत्तम नारायण जी ने चित्रकारी की तकनीकी शिक्षा दी। इनके काम की प्रशंसा विभिन्न भारतीय तथा विदेशी पत्रिकाओं में की गई।

पन्नालाल मेघवाल

श्री द्वारका लाल जांगिड़ के चित्र विश्व भर के विभिन्न संग्रहालयों में संग्रहीत हैं। इन्होंने दिल्ली, वाराणसी, बड़ौदा में अनेक प्रदर्शनियों में भाग लिया। उन्होंने भारतीय कला एवं संस्कृति के विकास में अपनी पूरी शक्ति लगा दी। उनके चारों पुत्र गिरिजाशंकर, बाबूलाल, रमेशचंद्र एवं स्वर्गीय प्रेम नरेंद्र (दाजी) पिछवाई के महारथी रहे हैं।

स्वर्गीय दाजी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चित्रकार रहे हैं। उन्होंने अनेक चित्रकारों को पिछवाई सिखाई। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्री विट्ठलदास जांगिड़ भी पिछवाई चित्रकारी के जाने-माने कलाकार हैं।

पिछवाई कला को विकसित करने में मंगलम आर्ट्स का अद्वितीय योगदान रहा है। संस्था ने स्वर्गीय प्रेम नरेंद्र (दाजी), श्री रेवाशंकर शर्मा, श्री शम्मीबन्नू एवं श्री विट्ठलदास जांगिड को विदेशों में इस कला को सिखाने के लिए भेजा है। वहां उन्होंने अनेक विदेशी चित्रकार तैयार किए हैं।

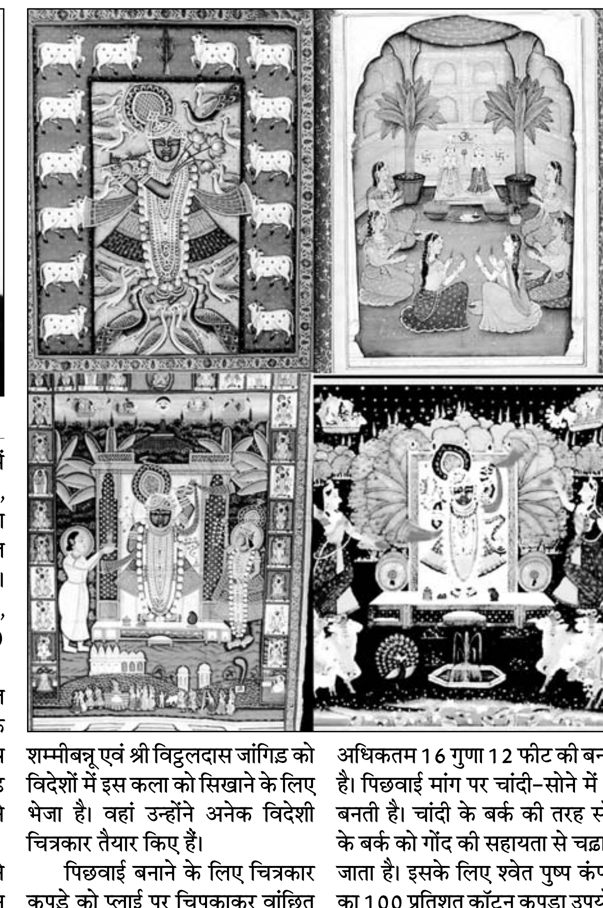

पिछवाई बनाने के लिए चित्रकार कपडे को प्लाई पर चिपकाकर वांछित चित्र का स्कैच लेते हैं। इसके लिए वाटर कलर काम में लेते हैं। पिछवाई अधिकतम 16 गुणा 12 फीट की बनती है। पिछवाई मांग पर चांदी-सोने में भी बनती है। चांदी के बर्क की तरह सोने के बर्क को गोंद की सहायता से चढ़ाया जाता है। इसके लिए श्वेत पुष्प कंपनी का 100 प्रतिशत कॉटन कपड़ा उपयोग में लेते हैं।

- पिछवाई नाथद्वारा श्रीनाथजी मंदिर से प्रारंभ हुई जानी-मानी चित्रकला परंपरा है
- उदयपुर के चित्रकारों द्वारा राजाओं की सवारी एवं प्रकृति चित्रण पर भी पिछवाईयां चित्रित की गईं

पिछवाई के पर्दे पर मध्य में एक प्रमुख दृश्य होता है और चारों ओर दो पतले किनारों के बीच में एक चौडा किनारा या बोर्डर बनाया जाता है। इस किनारे के लिए फूल और पत्तियों की अल्पनाओं के विभिन्न आकारों से पूरी बेल बनाई जाती है। पिछवाईयां भगवान श्रीनाथजी को ही समर्पित होती थी, लेकिन नाथद्वारा एवं उदयपुर के चित्रकारों द्वारा राजाओं की सवारी एवं प्रकृति चित्रण पर भी पिछवाईयां चित्रित की जाने लगी। अलग-अलग मौसमों का पिछवाईयों में सुन्दर चित्रण मिलता है, जिसे बारह मासा भी कहा जाता है। राधा और कृष्ण की प्रेमलीलाओं के मनोहर चित्रों से सुसज्जित एक और लोकप्रिय विषय रागमाला के नाम से जाना जाता है।

**पन्नालाल मेघवाल,**
**वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।**

# खुले में कचरा परिवहन से बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

**भीम,** (निसं)। कस्बे के डंपिंग यार्ड में चारदीवारी का निर्माण नहीं होने व कस्बे के मुख्य मार्गों से कचरा संग्रहण वाहनों का खुले रुप से कचरा परिवहन करने से कस्बेवासियों एवं आम नागरिकों के लिए संक्रमण लगने की संभावना बढ़ती नजर आ रही है। डंपिंग यार्ड के चारों

- डंपिंग यार्ड बना आवारा मवेशियों का अड्डा

ओर चार दीवारी नहीं होने के कारण कचरा एवं पॉलिथीन की थैलियां फैल कर आस-पास के घरों में तथा करेड़ा रोड सड़क मार्ग पर गंदगी फैला रही हैं। और दिन-रात कचरे की दुर्गंध से आस-पास की आबादी के लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। डंपिंग यार्ड के आस-पास गायों व आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। ग्रामीणों द्वारा कई बार प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया है। भीम ग्राम पंचायत के पास कचरा निस्तारण को लेकर कस्बे के करेड़ा रोड हिंदोला स्थित डंपिंग यार्ड है।

कस्बे के करेड़ा रोड स्थित खुले डंपिंग यार्ड में लगा आवारा मवेशियों का जमावड़ा।

ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार भांवरिया ने बताया कि पंचायत क्षेत्र की करीब 20 हजार की आबादी में पंचायत द्वारा 22 सफाई कर्मचारी नियुक्त कर रखे हैं जो कस्बे में सुबह शाम सफाई व्यवस्था को देखते हैं। एक ट्रैक्टर ट्रॉली वाहन के माध्यम से कचरा संग्रहण कर डंपिंग यार्ड पर कचरा डाला जाता है। ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार भांवरिया ने बताया कि विधायक मद से 6 लाख रुपए डंपिंग यार्ड की चारदीवारी के लिए मिले लेकिन तत्कालीन सरपंच सचिव द्वारा निर्माण कार्य नहीं किया गया था। अब वर्तमान में ग्राम पंचायत द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत 16 सौ फीट की चारदीवारी निर्माण को लेकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

## शिक्षिका विमला का नेत्रदान

**कोटा,** (निसं)। शाइन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से बुधवार को विज्ञान नगर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका विमला जैन का नेत्रदान संपन्न हुआ। संस्था की ज्योति मित्र डॉ प्रीति जैन ने संस्था सदस्यों को सूचना दी कि, उनकी सासू मां विमला जैन का आकस्मिक निधन हो गया है, उनके ससुर मोहनचन्द जैन का भी 2 वर्ष पूर्व निधन के बाद नेत्रदान का कार्य सम्पन्न हुआ था। प्रीति की सूचना पर शाइन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से नेत्रदान का पुनीत कार्य निवास पर संपन्न हुआ। इसी क्रम में पाठक सदन स्टेशन क्षेत्र निवासी मनोज पाठक के सुपुत्र यश पाठक का भी अल्प आयु (28 वर्ष) में निधन हुआ । जिसके उपरांत यश की दादी प्रेमलता पाठक (80 वर्षीया) के आग्रह पर यश के नेत्रदान का अभूतपूर्व निर्णय लिया गया। यश के दादा वीरेंद्र नारायण पाठक और ताऊ राजेंद्र नारायण पाठक सहित परिवार के करीबी सदस्यों ने नेत्रदान की प्रक्रिया को अपने सामने होते देखा।

# खनन के चलते बांध व 540 वर्ष पुराने मंदिर को खतरा

**पाटन,** (निसं)। नीमकाथाना कस्बे से 10 कि.मी. दूर स्थित ग्राम गांवड़ी में स्थित गांवड़ी बांध के कैचमेंट एरिया में माइनिंग विभाग ने सिंचाई विभाग से एनओसी लिए बिना चार खनन पट्टे जारी कर दिए। पट्टा धारकों द्वारा बांध केचमेंट एरिया के अंदर खनन के चलते बांध के क्षतिग्रस्त होने का खतरा हो गया है। खनन पट्टा धारकों के रसूख एवं राजनीतिक पहुंच के चलते माइनिंग विभाग एवं ग्राम पंचायत के द्वारा बांध क्षेत्र मे खनन नहीं करने की पाबंदी के बाद भी मौके पर खनन धड़ल्ले से जारी है। जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते खनन कर्ताओं के हौंसले इतने बुलंद है कि खनन कर्ताओं द्वारा बांध की पाल को तोडकर खनन परिवहन के लिए रास्ता निकाल लिया है।

गांवडी बांध की पाल के पास ही माखद माता के नाम से देवी का 540 वर्ष पुराना मंदिर स्थित है। मंदिर के पुजारी पं. रमेश चंद शर्मा ने बताया कि खनन के दौरान भारी ब्लास्टिंग की जाती है जिससे प्राचीन मंदिर के कई हिस्सों में दरार आ गई है। श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए विश्राम गृह की छत क्षतिग्रस्त हो गई है। यह खंडेलवाल वैश्य समाज के गोत्र वैध,सेठी, सोनी की कुलदेवी है। स्थानीय ग्रामीणों के साथ देश के अन्य भागों से भी भक्त यहां अपनी मनोकामना मांगने आते हैं।

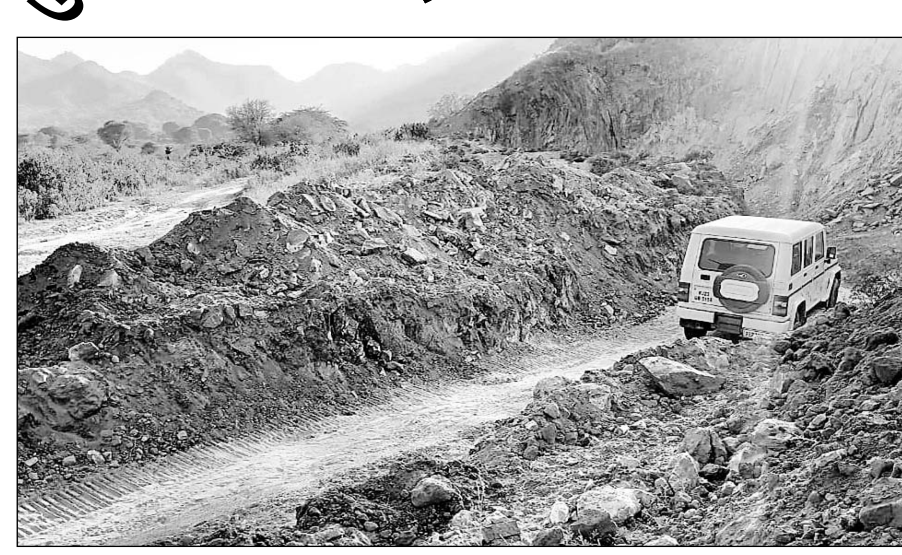

नीमकाथाना कस्बे के गांव गांवड़ी बांध के कैचमेंट एरिया में हो रहा खनन कार्य।

शिकायत पर उपखंड अधिकारी बृजेश गुप्ता ने कार्यवाही करते हुए मामले की जांच को लेकर एक कमेटी गठित की थी। जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि गांवडी बांध क्षेत्र में चारागाह भूमि के पश्चिम की तरफ 15 मीटर चौडाई व 110 मीटर लंबाई में खनन किया गया है। उक्त खनन बांध क्षेत्र में आता है। सिंचाई विभाग ने रिपोर्ट में लिखा कि बांध की पाल या सीमा से 200 मीटर के दायरे में लीज स्वीकृत करने का प्रावधान नहीं है। वही खनिज विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बांध से सही पश्चिम दिशा में खनन पाया गया है

ग्राम गांवडी में बांध क्षेत्र में खनन करने को लेकर ठाम विकास अधिकारी सीताराम यादव के द्वारा अवैध खननकर्ताओं के खिलाफ सदर पुलिस में मामला भी दर्ज करवाया गया था। ग्राम विकास अधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज करने के बाद भी आज तक सदर पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई मामले में नहीं की गई है। बांध के कैचमेंट व भराव क्षेत्र में लीजधारकों द्वारा अवैध खनन किया गया है। लीजधारको ने अवैध तरीके से बांध की पाल को क्षतिग्रस्त करते हुए खदान से परिवहन के लिए रास्ता पाबंदी के बाद भी निकाल लिया है। गांवडी के सरपंच शेर सिंह तंवर ने बताया कि प्रशासन के उच्च अधिकारियों को

- बांध के कैचमेंट एरिया में माइनिंग विभाग ने सिंचाई विभाग से एनओसी लिए बिना पट्टे जारी किए
- भारी ब्लास्टिंग से मंदिर के कई हिस्सों में दरार आ गई है
- ग्राम विकास अधिकारी के रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद भी सदर पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

अवगत कराने के बाद भी बांध क्षेत्र में खनन नहीं रुक रहा है। खनन के चलते बांध एवं प्राचीन माखद माता के मंदिर के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। उपखंड क्षेत्र नीमकाथाना में विभागीय समीक्षा के औचक निरीक्षण पर आए जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव को सामाजिक कार्यकर्ताओं मनीराम यादव ने बांध की पाल व प्राचीन माखद माता मंदिर को नुकसान पहुंचाने वाले लीजधारकों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर ज्ञापन सौंपा।

## राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

**शुक्रवार 2 दिसम्बर, 2022**

मार्गशीष मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र शनिवार प्रात: 5:45 तक, वज्र योग प्रात: 7:29 तक, तैतिल करण सांय 5:57 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मीन, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज बुध उदय पश्चिम दिन 2:48 पर होगा। आज पंचक है।

**सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया:** चर सूर्योदय से 8:21 तक, लाभ-अमृत 8:21 से 10:58 तक, शुभ 12:16 से 1:34 तक, चर 4:11 से सूर्यास्त तक।

**मेष**
धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

**वृष**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

**मिथुन**
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

**कर्क**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

**सिंह**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**कन्या**
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृश्चिक**
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**धनु**
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

**मकर**
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

**कुंभ**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मीन**
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।